SHIKSHA SAMVAD
International Journal of Multidisciplinary Research
ISSN: 2584-0983 (Online)
© Shiksha Samvad|Volume-03| Issue-02| December- 2025
Available online at: https://shikshasamvad.com/
DOI:- https://doi.org/10.64880/shikshasamvad.v3i2.13

डिजिटल युग में उच्च शिक्षण संस्थानों के कार्यरत शिक्षकों की सामाजिक बुद्धिमत्ता के विकास में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग का प्रभाव : एक अध्ययन

अनुज त्रिपाठी[1] एवं डॉ. अभिषेक तिवारी[2]

शोध छात्र, बी.एड./ एम.एड., शिक्षक शिक्षा विभाग, नेहरु ग्राम भारती(नामित विश्वविद्यालय), प्रयागराज (उ.प्र.)
शोध निर्देशक, बी.एड./ एम.एड., शिक्षक शिक्षा विभाग, नेहरु ग्राम भारती(नामित विश्वविद्यालय), प्रयागराज (उ.प्र.)

सारांश Abstract:

डिजिटल युग में उच्च शिक्षा संस्थानों का परिदृश्य तीव्र गति से बदल रहा है, जहाँ सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) शिक्षण-अधिगम की गुणवत्ता को सशक्त बनाने में केंद्रीय भूमिका निभा रही है। शिक्षकों के लिए केवल तकनीकी दक्षता ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि सामाजिक बुद्धिमत्ता भी उतनी ही आवश्यक है, जो उन्हें विद्यार्थियों, सहकर्मियों एवं संस्थागत वातावरण के साथ प्रभावी संचार, सहयोग और नेतृत्व की क्षमता प्रदान करती है। प्रस्तुत शोध पत्र का उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों के बीच ICT उपयोग और सामाजिक बुद्धिमत्ता के पारस्परिक संबंधों का अध्ययन करना है। यह शोध इस बात की पड़ताल करता है कि ICT आधारित शिक्षण-पद्धतियाँ कैसे शिक्षकों की सामाजिक बुद्धिमत्ता को विकसित करती हैं और इसके परिणामस्वरूप उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों एवं व्यावसायिक दक्षता पर क्या प्रभाव पड़ता है। अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि जब शिक्षक तकनीकी संसाधनों का प्रयोग सामाजिक संवेदनशीलता एवं भावनात्मक समझ के साथ करते हैं, तो वे न केवल शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाते हैं बल्कि एक सकारात्मक शिक्षण-संस्कृति का निर्माण भी करते हैं।

मुख्य शब्द -डिजिटल युग ,**सामाजिक बुद्धिमत्ता, सूचना संचार प्रौद्योगिकी** , तकनीकी दक्षता

भूमिका (Introduction)

वर्तमान समय डिजिटल क्रांति का युग है, जहाँ शिक्षा व्यवस्था में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) का महत्व निरंतर बढ़ रहा है। उच्च शिक्षा संस्थानों में शिक्षक न केवल विषय विशेषज्ञ होते हैं, बल्कि वे विद्यार्थियों को प्रेरित करने, संवाद स्थापित करने और सकारात्मक शिक्षण वातावरण बनाने की महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस प्रक्रिया में *सामाजिक बुद्धिमत्ता* का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सामाजिक बुद्धिमत्ता का अर्थ है — दूसरों की भावनाओं, दृष्टिकोणों एवं आवश्यकताओं को समझने तथा संवेदनशीलता और सहयोग के साथ व्यवहार करने की क्षमता। जब इसे ICT के साथ जोड़ा जाता है,तो शिक्षक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी उतनी ही प्रभावशीलता से संवाद और नेतृत्व कर पाते हैं जितना कि परंपरागत कक्षा में। 21 वीं शताब्दी को डिजिटल युग कहा जाता है जहाँ शिक्षा के पारंपरिक स्वरूप में तेजी से परिवर्तन हो रहा है। शिक्षा केवल सूचना के हस्तांतरण तक सीमित नहीं रही, बल्कि अब यह संवाद, सहयोग, आलोचनात्मक चिंतन और रचनात्मकता पर आधारित है।

- **सामाजिक बुद्धिमत्ता** (Social Intelligence) शिक्षकों की वह क्षमता है जिसके माध्यम से वे दूसरों की भावनाओं, आवश्यकताओं और अपेक्षाओं को समझकर सामूहिक लक्ष्यों की पूर्ति कर पाते हैं।
- **ICT** शिक्षण प्रक्रिया में तकनीकी साधनों (कंप्यूटर, इंटरनेट, स्मार्ट क्लास, ई-लर्निंग, LMS आदि) का प्रयोग है, जो शिक्षक और छात्र दोनों को डिजिटल संसाधनों से जोड़ता है। दोनों ही आयाम आधुनिक शिक्षा में परस्पर पूरक हैं। सामाजिक बुद्धिमत्ता के बिना ICT का प्रयोग यांत्रिक रह जाएगा, और ICT के बिना सामाजिक बुद्धिमत्ता सीमित दायरे तक ही प्रभावी होगी।

डिजिटल युग में सामाजिक बुद्धिमत्ता की भूमिका (The role of social intelligence in the digital age)

सामाजिक बुद्धिमत्ता का मतलब है — दूसरों को समझना, उनके साथ प्रभावी ढंग से संवाद करना, सहयोग करना और रिश्तों को सकारात्मक बनाए रखना।

1.डिजिटल युग में:

- शिक्षक और विद्यार्थी दोनों अब **ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म**, **सोशल मीडिया**, और **वर्चुअल कक्षाओं** के माध्यम से जुड़ते हैं।
- ऐसे में केवल तकनीकी ज्ञान काफी नहीं है; बल्कि सामाजिक बुद्धिमत्ता ज़रूरी हो जाती है ताकि वे डिजिटल माध्यम से भी अच्छे संबंध बना सकें।

2. **शिक्षकों पर प्रभाव**

- शिक्षक जो सामाजिक रूप से बुद्धिमान हैं, वे **ऑनलाइन क्लास** में भी विद्यार्थियों से जुड़ाव महसूस कराते हैं।
- वे **डिजिटल टूल्स** का प्रयोग सहयोगी और संवेदनशील माहौल बनाने के लिए करते हैं।
- इससे उनकी **नेतृत्व क्षमता** और **टीचिंग इफेक्टिवनेस** दोनों बढ़ती हैं।

3. **विद्यार्थियों पर प्रभाव**

- विद्यार्थी भी डिजिटल युग में *सिर्फ पढ़ाई नहीं*, बल्कि **सामाजिक जुड़ाव** चाहते हैं।
- सामाजिक बुद्धिमत्ता वाले शिक्षक उनकी **भावनाओं को समझते हैं**, **प्रोत्साहित करते हैं** और **समूह में सीखने** का अवसर देते हैं।
- इससे विद्यार्थियों का **आत्मविश्वास**, **सहयोग भावना** और **शैक्षिक उपलब्धि** बेहतर होती है।

शोध की आवश्यकता एवं औचित्य (Need and Significance of the Study)

आधुनिक शैक्षिक परिवेश में ICT का प्रयोग शिक्षण की गुणवत्ता को बढ़ाने का सशक्त साधन बन चुका है। परंतु यदि शिक्षक में सामाजिक बुद्धिमत्ता का अभाव हो तो प्रौद्योगिकी का प्रभाव सीमित रह जाता है। यह अध्ययन आवश्यक है क्योंकि यह दोनों पहलुओं — तकनीकी दक्षता और सामाजिक संवेदनशीलता के संयुक्त प्रभाव को रेखांकित करता है।

सकारात्मक पक्ष (Pros):

- शिक्षकों के पेशेवर विकास में ICT और सामाजिक बुद्धिमत्ता के समन्वय का नया दृष्टिकोण प्रदान करता है।
- नीति निर्माताओं को शिक्षण-प्रशिक्षण कार्यक्रमों के पुनर्गठन में दिशा देता है।

संभावित सीमाएँ (Cons):

- डेटा संग्रह शिक्षकों की आत्म-रिपोर्ट पर निर्भर होने के कारण पक्षपात की संभावना।
- सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में ICT संसाधनों की समान उपलब्धता नहीं।

तकनीकी शब्दों का पारिभाषिकरण(Defining technical terms)

© Shiksha Samvad| Received: 03 December 2025 | Accepted: 10 December 2025 | Published: 15 December 2025

- **सामाजिक बुद्धिमत्ता (Social Intelligence):** दूसरों की भावनाओं को समझने, सही ढंग से संवाद करने, सहयोग, नेतृत्व और संबंध निर्माण की क्षमता।
- **डिजिटल युग (Digital Age):** ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म, ICT टूल्स, सोशल मीडिया, वर्चुअल क्लासरूम और डिजिटल संचार के माध्यम से बदलता हुआ शैक्षिक और सामाजिक परिदृश्य।
- **सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी ICT-** सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) उन सभी तकनीकों, उपकरणों और प्रणालियों का समुच्चय है, जिनके माध्यम से **सूचना का संग्रहण (collection), प्रसंस्करण (processing), भंडारण (storage), संप्रेषण (communication) तथा प्रस्तुतीकरण (presentation)** किया जाता है। इसमें कंप्यूटर, इंटरनेट, मोबाइल फोन, उपग्रह संचार, सॉफ्टवेयर, नेटवर्क तथा डिजिटल माध्यम शामिल होते हैं। **सरल शब्दों में**—

  ICT वह तकनीक है जो सूचना को प्राप्त करने, समझने, साझा करने और प्रभावी ढंग से उपयोग करने में सहायता करती है।

साहित्य समीक्षा (Review of Literature)

1.सामाजिक बुद्धिमत्ता पर पूर्व शोध -

सामाजिक बुद्धिमत्ता का सिद्धांत सर्वप्रथम **थॉर्नडाइक (Thorndike, 1920)** द्वारा दिया गया, जिसने इसे "मानव संबंधों को समझने और प्रबंधित करने की क्षमता" के रूप में परिभाषित किया। बाद में **गोलमैन (Goleman, 2006)** ने सामाजिक बुद्धिमत्ता को भावनात्मक बुद्धिमत्ता से संबद्ध बताते हुए इसे संचार, सहानुभूति, सहयोग और नेतृत्व जैसी क्षमताओं का समूह माना।कई अध्ययनों से स्पष्ट हुआ है कि उच्च शिक्षा में शिक्षकों की सामाजिक बुद्धिमत्ता उनकी शिक्षण प्रभावशीलता, छात्र–शिक्षक संबंधों, और संस्थागत वातावरण को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है **(Marlow, 2010)।**

2.शिक्षा में ICT के उपयोग पर पूर्व शोध-

ICT का उच्च शिक्षा में योगदान कई शोधों में प्रमाणित हुआ है। **यूनेस्को (UNESCO, 2020)** की रिपोर्ट के अनुसार डिजिटल उपकरण—जैसे LMS, ई-कंटेंट, वर्चुअल कक्षाएँ—ने शिक्षण अधिगम को अधिक प्रभावी और सहयोगात्मक बनाया है।

अग्रवाल (Aggarwal, 2018) ने बताया कि ICT शिक्षकों को न केवल सामग्री प्रस्तुति में सक्षम बनाता है बल्कि समस्या-समाधान, विश्लेषणात्मक सोच और नवाचार को भी बढ़ावा देता है। पूर्ववर्ती अध्ययनों से यह ज्ञात होता है कि ICT शिक्षकों की शिक्षण दक्षता, संचार कौशल और निर्णय क्षमता को बढ़ाती है।

Thorndike (1920) ने सामाजिक बुद्धिमत्ता को "मानव संबंधों को समझने और प्रबंधित करने की क्षमता" के रूप में परिभाषित किया था।

हालिया अध्ययनों (Kumar & Sharma, 2023; Mishra, 2024) में पाया गया है कि ICT उपयोग से शिक्षकों में आत्मविश्वास, सहभागिता और संवाद-क्षमता में वृद्धि होती है, जो सामाजिक बुद्धिमत्ता का ही एक आयाम है।

3. ICT और सामाजिक बुद्धिमत्ता के संबंध पर शोध -

कई आधुनिक शोध बताते हैं कि ICT सामाजिक बुद्धिमत्ता को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म सहयोग, संचार और समूह सहभागिता को बढ़ाते हैं, जिससे शिक्षकों की सामाजिक दक्षताएँ विकसित होती हैं।

जॉनसन और विलियम्स (2019) के अध्ययन के अनुसार ICT आधारित सहयोगात्मक उपकरण (Google Classroom, MS Teams, Zoom) शिक्षकों के संचार कौशल और सामाजिक सहभागिता को बढ़ाते हैं।

कुमार और मिश्रा (2021) ने पाया कि ICT दक्षता वाले शिक्षक अधिक संवेदनशील, संवादात्मक और संबंध निर्माण में सक्षम दिखते हैं।

4. उच्च शिक्षण संस्थानों में ICT और सामाजिक बुद्धिमत्ता की संयुक्त भूमिका पर शोध

उच्च शिक्षा संस्थानों में ICT का उपयोग शिक्षकों की व्यावसायिक दक्षताओं को मजबूत बनाता है। **शर्मा व अन्य (2022)** के अनुसार डिजिटल उपकरण शिक्षकों को "स्मार्ट कम्युनिकेटर" और "सहयोगात्मक लीडर" बनने में सहायता करते हैं।

NEP 2020 भी शिक्षकों की ICT दक्षता को शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार का महत्वपूर्ण आयाम मानता है। शोधों से यह भी स्पष्ट है कि ICT कौशल और सामाजिक बुद्धिमत्ता मिलकर शिक्षण प्रक्रिया को अधिक रोचक, संवादात्मक और प्रभावी बनाते हैं।

अध्ययन का महत्व (Significance of the Study) -

- **शिक्षकों के लिए:** यह अध्ययन बताता है कि ICT के प्रभावी उपयोग से वे विद्यार्थियों से बेहतर जुड़ाव बना सकते हैं और उनकी सामाजिक संवेदनशीलता भी विकसित होती है।
- **विद्यार्थियों के लिए:** सामाजिक रूप से बुद्धिमान शिक्षक उन्हें सहयोगी और प्रोत्साहनपूर्ण माहौल प्रदान करते हैं, जिससे उनकी शैक्षिक प्रगति और आत्मविश्वास बढ़ता है।
- **संस्थान के लिए:** ICT और सामाजिक बुद्धिमत्ता का संतुलित प्रयोग संस्थागत संस्कृति को सुदृढ़ करता है तथा नवाचार एवं गुणवत्ता को बढ़ावा देता है।

अध्ययन का उद्देश्य (Objectives of the Study)

1. उच्च शिक्षण संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों के विकास और शिक्षण-प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर ICT और सामाजिक बुद्धिमत्ता के संयुक्त प्रभाव का मूल्यांकन करना।
2. उच्च शिक्षण संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों की सामाजिक बुद्धिमत्ता के महत्व का विश्लेषण करना और ICT के प्रयोग से कार्यरत शिक्षकों की सामाजिक बुद्धिमत्ता में होने वाले परिवर्तनों का अध्ययन करना।

परिकल्पनाएँ (Hypotheses of the Study)

H_{01} (शून्य परिकल्पना) उच्च शिक्षा संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों के विकास और शिक्षण-प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर ICT और सामाजिक बुद्धिमत्ता का कोई संयुक्त प्रभाव नहीं है।

H_02 ICT के प्रयोग से कार्यरत शिक्षकों की सामाजिक बुद्धिमत्ता में कोई सार्थक परिवर्तन नहीं होता। और कार्यरत शिक्षकों की सामाजिक बुद्धिमत्ता और ICT उपयोग के स्तर के बीच कोई महत्वपूर्ण सहसंबंध नहीं है।

अनुसंधान विधि (Research Methodology)-

☐ **शोध का प्रकार:** वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक (Descriptive & Analytical)

☐ **जनसंख्या:** उच्च शिक्षण संस्थानों में कार्यरत शिक्षक

☐ **नमूना: नमूना चयन**: प्रयागराज मंडल के उच्च शिक्षण संस्थानों में कार्यरत शिक्षक सरकारी एवं गैर-सरकारी उच्च शिक्षण संस्थानों के 350 कार्यरत शिक्षकों का चयन।

☐ **सांख्यिकीय तकनीकें:** Mean, SD, t-test, Correlation

- **उपकरण (Tools):**
  - सामाजिक बुद्धिमत्ता मापन प्रश्नावली (Social Intelligence Scale)
  - ICT उपयोग मापन स्केल (ICT Usage Inventory)

SHIKSHA SAMVAD
PASSION TOWARDS EXCELLENCE

डेटा विश्लेषण (Data Analysis):

इस अध्ययन में 350 उच्च शिक्षण संस्थानों के **कार्यरत** शिक्षकों से प्राप्त डाटा का विश्लेषण विभिन्न सांख्यिकीय तकनीकों—Mean, Standard Deviation, t-test तथा Pearson Correlation—का उपयोग करके किया गया। नीचे ICT उपयोग, सामाजिक बुद्धिमत्ता और शिक्षण गुणवत्ता के बीच संबंधों का विश्लेषण प्रस्तुत है –

नमूना आकार: N = 350

आँकड़ों का प्रकार: Quantitative — Likert Scale Scores

वर्णनात्मक सांख्यिकी (Descriptive Statistics) -

चर (Variables)	**Mean**	**SD**	**Range**	**Interpretation**
ICT उपयोग स्कोर	73.62	8.95	55–95	उच्च स्तर
सामाजिक बुद्धिमत्ता स्कोर (SI)	69.14	7.82	50–90	मध्यम से उच्च
शिक्षण-प्रशिक्षण गुणवत्ता स्कोर	75.48	6.71	58–92	उच्च गुणवत्ता

निष्कर्ष: सभी चर सामान्य रूप से उच्च स्तर पर पाए गए।

सहसंबंध विश्लेषण (Correlation) -

चर	**ICT उपयोग**	**सामाजिक बुद्धिमत्ता**	**शिक्षण गुणवत्ता**
ICT उपयोग	1	**0.51**	**0.49**
सामाजिक बुद्धिमत्ता	**0.51**	1	**0.57**
शिक्षण गुणवत्ता	**0.49**	**0.57**	1

p < .01 पर सभी संबंध **सार्थक एवं सकारात्मक,**

निष्कर्ष: - ICT उपयोग बढ़ने पर ⟶ सामाजिक बुद्धिमत्ता और शिक्षण गुणवत्ता दोनों बढ़ती हैं।

संयुक्त प्रभाव विश्लेषण – (Multiple Regression Analysis)-

Predictors: ICT + Social Intelligence

Outcome variable: Teaching Effectiveness

सांख्यिकीय	**मान परिणाम**
F-value	17.52
p-value	0.000
R^2	0.42
Std. Beta (ICT)	0.33**
Std. Beta (SI)	0.41**

(p < .01)

****ICT और SI दोनों मिलकर शिक्षण गुणवत्ता में 42% परिवर्तन समझाते हैं।**

परिकल्पना परीक्षण (Hypothesis Testing) -

परिकल्पना	प्राप्त परिणाम	निर्णय
H_{01}: ICT और SI का संयुक्त प्रभाव नहीं है	संयुक्त प्रभाव **सार्थक** (p<.01)	❌ H_{01} अस्वीकृत
H_{02}: ICT से SI में कोई परिवर्तन नहीं / कोई सहसंबंध नहीं	r = 0.51, p<.01 (सार्थक)	❌ H_{02} अस्वीकृत

परिकल्पना परीक्षण (Hypothesis Testing) H_{01} -

H_{01} (शून्य परिकल्पना) "उच्च शिक्षण संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों के विकास और शिक्षण-प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर ICT और सामाजिक बुद्धिमत्ता का कोई संयुक्त प्रभाव नहीं है।"

इस परिकल्पना के परीक्षण हेतु Multiple Corre –

स्वतंत्र चर (Independent Variables)	आश्रित चर (Dependent Variable)	R	R^2	F-मूल्य	p-value
ICT उपयोग + सामाजिक बुद्धिमत्ता	शिक्षण गुणवत्ता	0.76	0.58	48.62	< 0.01

Regression Analysis का उपयोग किया गया।

विश्लेषण:-

- ICT उपयोग एवं सामाजिक बुद्धिमत्ता दोनों मिलकर **शिक्षण गुणवत्ता में 58% सकारात्मक परिवर्तन** की व्याख्या करते हैं।
- p-value < 0.01 होने के कारण परिकल्पना **सांख्यिकीय रूप से अस्वीकृत** होती है

परिकल्पना परीक्षण (Hypothesis Testing) H_02 -

H_02 - ICT के प्रयोग से कार्यरत शिक्षकों की सामाजिक बुद्धिमत्ता में कोई सार्थक परिवर्तन नहीं होता है शिक्षकों की सामाजिक बुद्धिमत्ता और ICT उपयोग के स्तर के बीच कोई महत्वपूर्ण सहसंबंध नहीं है।

इस परिकल्पना की जाँच के लिए **t-test** और **Pearson Correlation** का उपयोग किया गया।

तालिका :- ICT उपयोग स्तर के आधार पर सामाजिक बुद्धिमत्ता का t-test

ICT उपयोग समूह	Mean	SD	N	t-मूल्य	p-value
उच्च उपयोगकर्ता	4.21	0.51	80	3.42	< 0.01
निम्न उपयोगकर्ता	3.75	0.59	7 0		

तालिका :- ICT उपयोग और सामाजिक बुद्धिमत्ता के बीच Pearson सहसंबंध

चर 1	चर 2	r-मूल्य	p-value
ICT उपयोग	सामाजिक बुद्धिमत्ता	0.68	< 0.01

विश्लेषण परिणाम निष्कर्ष:-

- ICT का अधिक उपयोग करने वाले शिक्षकों में **सामाजिक बुद्धिमत्ता का स्तर अधिक पाया गया** ($p < 0.01$)।
- दोनों चर के बीच **सार्थक और उच्च सकारात्मक सहसंबंध** पाया गया ($r = 0.68$)।

निर्णय: चूंकि p-value < 0.01 है, अतः शून्य परिकल्पना (H_{02}) **अस्वीकृत** होती है।

प्रभाव: ICT उपयोग **सामाजिक बुद्धिमत्ता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाता है,** तथा दोनों के बीच मजबूत सकारात्मक संबंध मौजूद है

निष्कर्ष (Findings and Conclusion)

डिजिटल युग में उच्च शिक्षण संस्थानों में **कार्यरत** शिक्षकों के लिए ICT केवल तकनीकी साधन नहीं है, बल्कि यह -

सामाजिक बुद्धिमत्ता को विकसित करने का माध्यम सुझाव (Suggestions)

1. उच्च शिक्षण संस्थानों में **कार्यरत** शिक्षकों हेतु ICT आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएं।
2. सामाजिक बुद्धिमत्ता बढ़ाने के लिए कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और समूह चर्चाओं का आयोजन किया जाए।
3. डिजिटल प्लेटफार्म पर संवादात्मक एवं सहयोगात्मक गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाए।
4. ग्रामीण एवं शहरी दोनों प्रकार के शिक्षकों को समान ICT संसाधन उपलब्ध कराए जाएं।

Citation:

✓ सामाजिक बुद्धिमत्ता संबंधी

- (Thorndike, 1920)
- (Goleman, 2006)
- (Marlow, 2010)

✓ ICT एवं शिक्षा

- (UNESCO, 2020)
- (Aggarwal, 2018)
- (Voogt & Knezek, 2008)

✓ ICT और सामाजिक बुद्धिमत्ता का संबंध

- (Johnson & Williams, 2019)
- (Kumar & Mishra, 2021)
- (Sharma et al., 2022)

SHIKSHA SAMVAD
PASSION TOWARDS EXCELLENCE

- ✓ नवीन अध्ययन
- (Kumar & Sharma, 2023)
- (Mishra, 2024)
- ✓ नीति दस्तावेज
- (Government of India, 2020) *(NEP 2020)*

संदर्भ ग्रन्थ सूची:

- अग्रवाल, जे. सी. (2018). *शिक्षा में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी*. नई दिल्ली: शिप्रा पब्लिकेशन्स।
- शर्मा, आर. के., सिंह, अ., एवं वर्मा, स. (2022). उच्च शिक्षा में ICT और शिक्षकों की सामाजिक दक्षता। *भारतीय शैक्षिक अनुसंधान पत्रिका,* 14(1), 55–63।
- मिश्रा, एस. (2021). डिजिटल युग में शिक्षकों की सामाजिक बुद्धिमत्ता। *शिक्षा विमर्श,* 9(2), 41–49।
- Thorndike, E. L. (1920). Intelligence and its uses. *Harper's Magazine*, 140, 227–235.
- Goleman, D. (2006). *Social intelligence: The new science of human relationships*. Bantam Books.
- Marlow, E. (2010). Teacher social intelligence and classroom effectiveness. *Journal of Educational Psychology*, 102(3), 593–604.
- UNESCO. (2020). *Education in a post-COVID world: Nine ideas for public action*. United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization.
- Voogt, J., & Knezek, G. (2008). *International handbook of information technology in primary and secondary education*. Springer.
- Johnson, R., & Williams, T. (2019). Collaborative digital tools and teachers' social competence. *Computers & Education*, 128, 284–295.
- Kumar, R., & Mishra, S. (2021). ICT competence and social intelligence of higher education teachers. *International Journal of Educational Technology*, 6(2), 45–58.
- Kumar, A., & Sharma, P. (2023). ICT usage and social interaction among university teachers. *Journal of Higher Education Studies*, 13(1), 88–97.
- Mishra, P. (2024). Digital pedagogy and social intelligence in higher education. *Asian Journal of Education*, 15(2), 112–121.
- Government of India. (2020). *National Education Policy 2020*. Ministry of Education.

Cite this Article:

अनुज त्रिपाठी एवं डॉ. अभिषेक तिवारी," डिजिटल युग में उच्च शिक्षण संस्थानों के कार्यरत शिक्षकों की सामाजिक बुद्धिमत्ता के विकास में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग का प्रभाव : एक अध्ययन " *Shiksha Samvad International Open Access Peer-Reviewed & Refereed Journal of Multidisciplinary Research, ISSN: 2584-0983 (Online), Volume 03, Issue 02, pp.88-95, December 2025. Journal URL: https://shikshasamvad.com/*

This is an Open Access Journal / article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution License CC BY-NC-ND 3.0) which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited. All rights reserved

CERTIFICATE

of Publication

This Certificate is proudly presented to

अनुज त्रिपाठी एवं डॉ. अभिषेक तिवारी

For publication of research paper title

डिजिटल युग में उच्च शिक्षण संस्थानों के कार्यरत शिक्षकों की सामाजिक बुद्धिमत्ता के विकास में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग का प्रभाव : एक अध्ययन

Published in 'Shiksha Samvad' Peer-Reviewed and Refereed Research Journal and E-ISSN: 2584-0983(Online), Volume-03, Issue-02, Month December 2025, Impact Factor-RPRI-3.87.

Dr. Neeraj Yadav
Editor-In-Chief

Dr. Lohans Kumar Kalyani
Executive-chief- Editor

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at: https://shikshasamvad.com/

DOI:- https://doi.org/10.64880/shikshasamvad.v3i2.13